



Cadaver Organ Donor Parimal M. Bhagat

Surti teacher's heart now beats in 14-year-old girl from UAE

Mulvin Reggie Thomas
@timesofindia.com

Shunt: Organs of a teacher who died recently have given a new lease of life to three persons. Including a 14-year-old girl from the United Arab Emirates (UAE), Parimal

Mujibha Bhagat, 65, used to teach at the Nagar Prathamik Shiksha Samiti School, which is run by the Surat Municipal Corporation (SMC).

The heart of Bhagat was airlifted to Chennai's Fortis Malar Hospital, some 1,000 km away from the city, in the minutes after Saturday night transplant in the body of Khalifa Al-Dulaini Obaidullah, a teenage girl who was suffering from heart ailment since long.



The remains of Parimal Bhagat were consigned by an NGO to donate his organs

Bhagat complained of severe headache in the week before his death. Bhagat's wife Jagruti applied an ointment to ease his pain. He was supposed to leave the bus-stand school run for his job at Nagar Prathamik School number 3115, Karel. That day he did not wake up all from. His

parents tried to wake him up, but he did not respond. Bhagat was immediately shifted to DMCS Hospital at around 10:00 am. The CT scan and other reports suggested he had a T10-T11 brain haemorrhage and there was blood clotting. Bhagat was declared brain dead on

March 3 by a team of doctors at RAPS Hospital.

RAPS hospital contacted the team of Tamil Nadu Tamilan members and Jagruti and convinced her to donate Bhagat's organs to give a new lease of life to sick people in need of them. Donate Life members started a search for patients matching the donor's profile for heart transplant. They contacted many hospitals and transplant centres in Mumbai and Ahmedabad. They also contacted the National Organ and Tissue Transplant Organization.

Bhagat's name was registered at the Fortis Malar Hospital for heart transplant. Bhagat's kidneys have been transplanted in the bodies of two patients at the Institute of Kidney Diseases and Research Centre in Ahmedabad.

■ सूरत के परिमल का दिल यूई की खादीजा में धड़केगा ■ गुजरात से पहली बार तमिलनाडु ले जाकर हार्ट ट्रांसप्लांट

ब्रेन डेड पति के अंगों का
दान के निर्णय से तीन
को नई जिंदगी मिली

पश्चिम न्यूज नेटवर्क
rejthanparka.com

सूरत ब्रेनडेड व्यक्ति का हार्ट शनिवार को सूरत से 16-15 किलोमीटर दूर तमिलनाडु ले जाकर ट्रांसप्लांट किया गया। इस तरह का यह पहला मामला है, जब गुजरात से किसी ब्रेनडेड व्यक्ति का हार्ट तमिलनाडु ले जाया गया हो। हार्ट ट्रांसप्लांट के निर्णय से अब सूरत के परिमल भागत का दिल यूई की 14 साल की किशोरी खादीजा अब्दुला ओबीदुल्ला में धड़केगा।

डोनेड लाइफ के प्रमुख नीलेश मांडलेखला ने बताया कि जलंधीपुरा को भीमरायणी निवासी और नगर प्राथमिक स्कूल की शिक्षिका जागृति श्याम के पति परिमल ने 2 मार्च की सुबह पत्नी से तार में रूई की सिकायत की और सो गए, लेकिन जब कुछ देर बाद उन्हें जगने को कोशिश की तो वह नहीं उठे। परिजनो ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सीटी स्कैन की रिपोर्ट में उनके रिफण की गंभीर घातों की हथोकात सामने आई। शुक्रवार को चिकित्सकों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनो से मुलाकात कर उन्हें अंगदान के लिए समझाया तो परिजन अंगदान के लिए तैयार हो गए। इसके बाद किडनी और लीवर के दान के लिए अहमदाबाद के इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिसेज



एण्ड रिसर्च सेंटर और हार्ट के दान के लिए चेन्नई की फोर्टिस मलार अस्पताल की चिकित्सा टीम प्रतिवार तड़के चेन्नई से सूरत पहुंची और परिमल के हार्ट का दान स्वैकार कर सुबह साठ बजे चेन्नई जाने के लिए रवाना हुई। 135 मिनट में टीम चेन्नई पहुंच गई और हार्ट यूई निवारी 14 वर्षीय खादीजा अब्दुला ओबीदुल्ला में ट्रांसप्लांट किया गया।

भारतीय मरीज न मिलने से विदेशी में ट्रांसप्लांट

नीलेश मांडलेखला ने बताया कि हार्ट डोनेड के बाद चार घंटे में वह ट्रांसप्लांट हो जाला चाहिए। इस लिए परिजलापार्ई के परिजनो के अंगदान के निर्णय के बाद पहले उन्होंने अहमदाबाद के सरली अस्पताल और सैआईएमएस अस्पताल से संपर्क किया, लेकिन यहां हार्ट ट्रांसप्लांट का गरीब उपलब्ध नहीं था। इसके बाद मुंबई जेडटीसीसी के ट्रांसप्लांट कॉ-ऑर्डिनेटर डीविला से संपर्क किया, लेकिन यहां भी गरीब नहीं होने की जानकारी मिली तो अखिर नैराक्त

ऑर्गेन एण्ड ट्रीशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन के निदेशक डॉ.लिम्ल भंडारी से संपर्क किया गया। उन्होंने भी दिल्ली में ए पॉजिटिव ब्लडग्रुप का गरीब नहीं होने बताया। बाद में तमिलनाडु के नेशनल नेटवर्क ऑफ ऑर्गेन शेयरिंग कॉ-ऑर्डिनेटर अंजना से संपर्क किया गया। अंजना ने बताया कि यहां हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए भारतीय मरीज नहीं है, लेकिन यूई की निवारी एक 14 साल की किशोरी चेन्नई के फोर्टिस मलार अस्पताल में भर्ती है। रात्री के प्रत्यक्ष के बाद नाटो के निदेशक ने इसके लिए मंजूरी दे दी और हार्ट खादीजा में ट्रांसप्लांट किया गया।

प्रशासन का सहयोग

सूरत से हार्ट ले जाकर तमिलनाडु में ट्रांसप्लांट करने में स्थानीय पुलिस प्रशासन और एयरपोर्ट अथॉरिटी तथा चिकित्सको का सहयोग रहा। नाइट लैंडिंग और टेक ऑफ की सुविधा नहीं होने के बावजूद तड़के साढ़े तीन बजे सूरत एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक प्रमोदकुमार ने लैन्डिंग की मंजूरी दी।

गुजरात से पहली बार तमिलनाडु ले जाकर हार्ट ट्रांसप्लांट

सूरत के परिमल का
दिल सूरई की
खादीजा में धड़केगा
बेन डेड पति के अंगों
का दान के निर्णय
से तीन को नई
जिंदगी मिली, 155
मिनट में हार्ट लेकर
पहुंची टीम

पत्रिका-सूरत नेटवर्क
दुबई, 22 अक्टूबर

सूरत, बेनडेड पति का हार्ट
संस्कार को सूरत से 1695
किलोमीटर दूर तमिलनाडु ले
जाकर ट्रांसप्लांट किया गया। इस
कारण का यह काला मामला है, जब
मृत्यु के बाद किसी बेनडेड व्यक्ति
का हार्ट तमिलनाडु ले जाया गया
है। हार्ट दान के निर्णय से अब
सूरत के परिमल भागत का दिल
सूरई की 14 साल की किशोरी
खादीजा अस्तुला ओबीएलएन में
लड़केगा। बेनडेड पति के प्रमुख
सौजन्य माइलेजा ने बताया कि
जहाँगीरपुरा की शीकर ओबयारी
निजारी और माधु प्राथीकर स्कुल
की शिक्षिका लागुते भगत के पति



भारतीय मरीज नहीं मिलने से विदेशी
मरीज में ट्रांसप्लांट का निर्णय

सौजन्य माइलेजा ने बताया कि हार्ट
डोनेट के बाद घर छोड़े गे जहाँ
ट्रांसप्लांट होनामा था। इस लिए
परिजनों के परिजनों के अंगदान
के निर्णय के बाद पहले उन्होंने
अहमदाबाद के स्विंग अस्पताल
और सीआरएनएस अस्पताल से
संपर्क किया, लेकिन यहाँ हार्ट
ट्रांसप्लांट का मरीज उपलब्ध नहीं
था। इसके बाद सूरत में जहाँगीरपुरा के
ट्रांसप्लांट एंथी-ऑर्गेनोडोर अमिता से
संपर्क किया, लेकिन वहाँ भी मरीज
नहीं होने की जानकारी मिली तो
अधिक मेम्बर ऑर्गेन ट्रांसप्लांट
ट्रांसप्लांट ऑर्गेनोडोर के
निदेशक डॉ. विजय शंकर से संपर्क

किया गया। उन्होंने जी दिल्ली में ए
पीओएल अस्तुला का संपर्क नहीं
होना बताया। बाद में तमिलनाडु के
मेम्बर नेल्सॉन डॉ. ऑर्गेन
एंगिना ऑर्गेनोडोर अमिता से
संपर्क किया गया। अमिता ने बताया
कि यहाँ हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए
भारतीय मरीज नहीं है, लेकिन सूरई
की निजारी एक 14 साल की किशोरी
केलई के कोर्टिस अमिता अस्पताल
में आई है। विदेशी मरीजों को लेकर
अस्पताल की इच्छा बन
गई, लेकिन सभी के घरों के बाद
नाह के निदेशक ने इसके लिए
संपर्क दे दी और हार्ट काटने में
ट्रांसप्लांट किया गया।

परिमल ने 2 साल की सुवाह पत्नी
से निरने एवं की शिफारश की और
सो कर, लेकिन जब कुछ पर बात
कई करने की कोशिश की तो वह
नहीं उठी। परिजनों ने उन्हें निजी
अस्पताल में भर्ती करवाया। सोटी
सीन को रिपोर्ट में उनके रिजल्ट को
नये फटने की इच्छाका कारण
अर्द्ध। राजुवार की निशिकरकी ने
उन्हें बेनडेड घोषित कर दिया।
इसके बाद परिजनों से मुनाकात
कर उनके अंगदान के लिए साक्षात्
तो परिजनों अंगदान के लिए तैयार
हो गए। इसके बाद फादरी और
शीकर के दान के लिए अहमदाबाद
के इस्वीरगुड ऑफ किडनी डिस्कोय
एलड रिसेप्ट सेंटर और हार्ट के दान
के लिए बेनडेड की कोर्टिस मलार
अस्पताल की निशिकरकी तीन
संस्कार तदके बेनडेड से सूरत
पहुंची और परिमल के हार्ट का दान

स्वीकार कर सुवाह आठ घंटे
संपर्क जाने के लिए रखा हुई।
155 मिनट में टीम बेनडेड पहुंच गई
और हार्ट सूरई निजारी 14 साल
कापीन अस्तुला ओबीएलएन में
ट्रांसप्लांट किया गया।

प्रशासन का रहा सहयोग

सूरत से हार्ट ले जाकर तमिलनाडु में
ट्रांसप्लांट करने में स्थानीय पुलिस
प्रशासन और एयरपोर्ट अथॉरिटी
तथा निशिकरकी का सहयोग रहा।
बाइर लैन्डिंग और टैक ऑफ की
सुविधा नहीं होने के बावजूद तदके
सबसे तीन घंटे सूरत एयरपोर्ट
अथॉरिटी के निशिकरकी प्रोबुदुमार ने
संस्कार को संपर्क की। वहीं
अस्पताल से एयरपोर्ट तक हार्ट ले
जाने के लिए शहर पुलिस आयुक्त
राजीव शर्मा को और सी प्रोन कोर्टिसोर
उपलब्ध करवाया गया।

सुरत से चेन्नई हार्ट ट्रांसप्लान्ट का पहला मामला 155 मिनट में 1615 किलोमीटर दूर पहुंचाया जिंदा दिल



हार्ट ट्रांसप्लान्ट की गतिविधियां

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का मामला 155 मिनट में पूरा हुआ। सुरत के डॉक्टरों ने चेन्नई के डॉक्टरों को हार्ट ट्रांसप्लान्ट के लिए हृदय दान किया।

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का मामला 155 मिनट में पूरा हुआ। सुरत के डॉक्टरों ने चेन्नई के डॉक्टरों को हार्ट ट्रांसप्लान्ट के लिए हृदय दान किया।

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का मामला 155 मिनट में पूरा हुआ। सुरत के डॉक्टरों ने चेन्नई के डॉक्टरों को हार्ट ट्रांसप्लान्ट के लिए हृदय दान किया।

सुरतथी पड़ेखीवार छार्टने 1615 कि.मी. दूर येन्नाई मात्र 155 मिनटमां पहुँचायायु

ब्रेनडेड प्रति प्रतिमव भगतना अंगोनु डोनेट ए हाइली मधदथी दान करी पत्नी अंगुतिरो प्रसा ल्याडिआरने लमछुमल सभायुं

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का मामला 155 मिनट में पूरा हुआ। सुरत के डॉक्टरों ने चेन्नई के डॉक्टरों को हार्ट ट्रांसप्लान्ट के लिए हृदय दान किया।

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का मामला 155 मिनट में पूरा हुआ। सुरत के डॉक्टरों ने चेन्नई के डॉक्टरों को हार्ट ट्रांसप्लान्ट के लिए हृदय दान किया।

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का मामला 155 मिनट में पूरा हुआ। सुरत के डॉक्टरों ने चेन्नई के डॉक्टरों को हार्ट ट्रांसप्लान्ट के लिए हृदय दान किया।

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का मामला 155 मिनट में पूरा हुआ। सुरत के डॉक्टरों ने चेन्नई के डॉक्टरों को हार्ट ट्रांसप्लान्ट के लिए हृदय दान किया।

अने वेल्थवली वार डीकरनेनी डीम मारड इवावर सारी सारी

સુરતથી 1615 કિમીનું અંતર 155 મિનિટમાં કાપ્યું, ધર્મના વાડા ઓળંગી હૃદયને ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર-ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય UAEની મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકશે

સુરત | સુરતમાંથી કોઈ પ્રાથમિક રીતે 1615 કિમી નું અંતર 155 મીનીટમાં સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવાની સનેગી યતના કરવામાં આવ્યું હતું.

વડોદરાથી સુરતનું હૃદય પુનેઈ હોસ્પિટલ ખાતે પહોંચી મુસ્લિમ કિશોરીનાં પેશન્ટનું હૃદયની સનેગી યતના કરવામાં આવી હતી. સુરતમાંથી સુરતનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ધબકવું કરાયું

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું.

ડી.ન.કોરિડોર કરી ધબકવું હૃદય ચેન્નઈ

માત્ર 1615 કિમીનું અંતર 155 મિનિટમાં કાપ્યું. ડી.ન.કોરિડોર કરી ધબકવું હૃદય ચેન્નઈ. માત્ર 1615 કિમીનું અંતર 155 મિનિટમાં કાપ્યું. ડી.ન.કોરિડોર કરી ધબકવું હૃદય ચેન્નઈ.



સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું.



મહાદાન | સુરતના પરિવહનમાં હૃદય એવર-આરઆઈ કિશોરીમાં ધબકવું કરાયું

હૃદય ૧૬૧૫ કિ.મી.નું અંતર કાપી ૧૫૫ મિનીટમાં પહોંચ્યું તામિલનાડુ

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું.



સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ચેન્નઈમાં મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકવું કરવામાં આવ્યું હતું.

૧૫૫ મિલિટમાં ૧૬૧૫ કિમી અંતર કાપી હાર્ટ સેન્સ પહોંચાડાયું

સુરતના યુવાનનું હાર્ટ યેન્નાઈમાં UAEની તરુણીમાં સફળતાપૂર્વક ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

» ગુજરાતમાંથી તામિલનાડુમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટનો પ્રથમ કિસ્સો

સુરત : સુરતમાં અંગદાનની પ્રવૃત્તિમાં આવેલી જાગૃતિને પગલે રાજ્યમાંથી તામિલનાડુમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાનો પ્રથમ કિસ્સો બન્યો છે. ૧૫૫ મિલિટમાં ૧૬૧૫ કિમી અંતર કાપીને સુરતના યુવાનનું હાર્ટ ચેન્નાઈનો હોસ્પિટલમાં પહોંચાડી યુએઈની તરુણીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. કરાણાની એજન્સી થરાવતા આ યુવાનના અંગદાનથી આ તરુણી સહિત ત્રણ જણને નવજીવન મળ્યું છે.

પ્રાપ્ત માહિતી મુજબ ઓલમ્પાડ રોડ, જહાંગીરપુરા સિત્ત શ્રીધર સોસાયટીમાં રહેતા પરિમલભાઈ મુળજી ભગત (ઉં.વ. ૪૮) અંગદાનમાં સેનપાળ ટ્રિસ્ટાબ્યુટર નામથી કરાણાની એજન્સી થરાવતા હતા. જ્યારે તેમની પત્ની જાગૃતિબેન નગર પાશ્ચિમિક શિક્ષણ સમિતિની શાખા નં. ૨૮૫માં શિક્ષિકા છે. જોડિયા બ્રાજડી રિદ્ધિ અને ચિદ્ધિ (ઉં.વ.૭) સાથેના આ સુખી પરિવારને કોઈની નજર ધારી હોય તેમ જ તો રજીએ પરિમલભાઈને થયેલો માથાનો દુખાવો મોટી અફત બનીને આવ્યો હતો. તેમને વિકસ લગાડી માથા પર તુચાલ બાંધી જાગૃતિબેન સુલે પયા બાડ તેમની ત્રિભયત વધુ લથડી ગઈ હતી. ત્યારબાદ તેમને આજણની હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા જ્યાં મઈકાલે તબીબોએ તેમને મેઈનરેડ ઘોષિત કર્યા હતા. હોસ્પિટલ તરફથી ડોનેટ વાઈફના નિવેશ માંડશેવાવાને જણ કરાતા તેઓ ટીમ સાથે દોડી આવ્યા હતા. જાગૃતિબેન સહિતના પરિવારને અંગદાનનું મહત્ત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિવારે સંમતિ આપતા હાર્ટ અને કિડનીનું દાન લેવાનો નિર્ણય પસો હતો.



હાર્ટ ડોનેટ કરવા ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર, દિલ્હી અને તામિલનાડુમાં સંપર્ક કરાયો

જિસેરા મહાલેવાલો જણાવ્યું હતું કે, કિડની માટે IKDRC નો ટીમને આધવા જણાવ્યું હતું. જ્યારે હાર્ટ માટે અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં દર્દી ન હોવાને કારણે મુંબઈ એન્ડ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોર્ડિનેશન કમિટી (ZTC) સંપર્ક કરાવેલો. પરંતુ ત્યાંપણાએ પોસિટિવ ચુાવને દર્દી નહીં મળતા આમલે દિલ્હી હિટા નેશનલ ઓર્ગન એન્ડ ટીસુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સેન્ટરમાં મેળવેને જામ કરાઈ હતી ત્યારબાદ તામિલનાડુના નેશનલ લેટરડર્મ સેન્ટર સોસાઈટી ઓફ ઓર્ગન ડોનેટરની સંપર્ક થતા ચેન્નાઈનો હોસ્પિટલમાં યુએઈની રજીસ્ટ્રારે ૧૪ વર્ષીય કુમારી ખાદીજા સખ્દલા ઓળીદાલાને આ હાર્ટ આપી એક માનવીનું જીવન જણાવવાનું અગીચ્છ કર્યું કરવાનું નક્કી કરાયું હતું. ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર, દિલ્હી અને તામિલનાડુમાં એ પોસિટિવ ચુપનો ભારતીય દર્દી નહીં મળતાં કલ્પદાસીવ પ્રક્રિયા કરી ચિર્ષી નગરિકને હાર્ટ આપવાનું નક્કી કરાયું હતું.

આને ૧૨ કલાક બાદ સડળા ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સક્રિય બન્યું

મઈકાલે સવારે ૯:૩૦ વાગે ફોર્નહેડ ખાહેર કલાનેશ પરિમલભાઈનું હાર્ટ આને બધારે સવારેક વાગે ચેન્નાઈ જી હોસ્પિટલમાં કુમારી ખાદીજાને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. સુરત એરપોર્ટ હિયર મલ્લે ૩:૩૦ વાગે લેન્ડિંગની પરવાલગી સારી એરવોર્ટ સંઘોરિટીએ સરકાર આધી હતી. જ્યારે જહેર પોલીસે ડીન કોર્ટિડોરની વ્યવસ્થા કરી મોટી રાહત આપી હતી. કલ્પ ૧૫૫ મિલિટના ૧૬૧૫ કિમી અંતર કાપી ચેન્નાઈની હોસ્પિટલમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. ડોનેટ હાર્ટફ લાસ ૧૮૦ કિડની, ૭૭ હિયર, ૩ સેન્ટીલાસ, ૯ હાર્ટ અને ૧૬૬ ચક્ષુનું દાન મેળવી ૪૩૦ લોકોને નવું જીવન અને રોશની આપી છે.

જહાંગીરપુરાના બ્રેઈનડેડ પરિમલ ભગતનું હૃદય યુએઈની ૧૪ વર્ષીય તરુણીમાં ધબકતું કરાયું

સુરત, તા. ૪
સુરતની ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા હૃદય શેવાનું કાર્ય કરવામાં આવે છે. બ્રેઈનડેડ વ્યક્તિના અંગદાન થકી બીજા અનેક લોકોને નવું જીવન બક્ષવામાં આ સંસ્થાનો સિલકાળો રહો છે, ત્યારે ફરી એક વખત ડોનેટ લાઈફની ટીમે સુરતના એક બ્રેઈનડેડ વ્યક્તિનું હૃદય માત્ર 155 મિનિટમાં 1615 કિલોમીટરનું અંતર કાપીને ચેન્નાઈ મોકલી, માત્ર 14 વર્ષની તરુણીના શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરીને તેને નવું જીવન આપ્યું હતું.

આજકાલ વિસ્તારમાં ક્ષેત્રપાળ ડિસ્ટ્રીબ્યુટર્સના નામથી ફરસાશની એજન્સી ધરાવતા પરિમલ મુળજીભાઈ ભગત (ઉ.વ. 43) જહાંગીરપુરાની શ્રીધર સોસાયટીમાં રહે છે અને મુળ છોટા ઉદેપુરા તાંતલજા ગામના વતની છે. ગઈકાલે તેમને માથામાં ટુમાવો થયો હતો તે પછી તકલીફ વધતા એમ્બ્યુલન્સ દ્વારા તેમને તાત્કાલિક બીએપીએસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યા હતા, જ્યાં તબીબોએ તેમની ટ્રીટમેન્ટ કરી હતી અને

પછી આજે પરિમલભાઈને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યા હતા.

બ્રેનેટલાઈફ સંસ્થાને આ અંગે જાણ કરાતાં ડોનેટલાઈફના નિલેશ માંડલેવાલાએ

કોર્ટિસ હોસ્પિટલમાં યુએઈની વતની 14 વર્ષની તરુણી ખદીજા અબ્દુલ્લાને હૃદયની જરૂરિયાત હતી, નાટો તરફથી વિદેશી વ્યક્તિને હૃદય આપવાની મંજૂરી મળતાં



**ડોનેટ લાઈફને અંગદાની વધુ એક સફળતા:
ચેન્નાઈની હોસ્પિટલ સુધી ગ્રીન કોરિડોર તૈયાર કરી
૧૫૫ મિનીટમાં ૧૬૧૫ કિ.મી. દૂર પહોંચાડાયું**

પરિમલ ભગતના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિમલ ભગતના પત્ની જાગૃતિએને સંમતિ આપી પછી બીજા અંગો ઉપરાંત તેમનું હૃદયનું દાન લઈને તેને ઝડપથી ચેન્નાઈ પહોંચાડવું જરૂરી હતું. ચેન્નાઈ તામિલનાડુમાં આવેલી

૪ ગ્રીન કોરિડોર તૈયાર કરીને કોર્ટિસ હોસ્પિટલના તબીબો સુરત આવીને માત્ર 155 મિનિટમાં 1615 કિ.મી.નું અંતર કાપી હૃદય ચેન્નાઈ લઈ ગયા હતા અને 14 વર્ષની ખદીજા અબ્દુલ્લાના શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યું હતું.

UAEની બાળકોમાં ધબકી ઉઠ્યું સુરતનાં યુવાનનું હૃદય !

એરપોર્ટ ઓથોરિટીએ સુરતમાં
લાઇટ લેન્ડિંગની પરમિશન આપી



સુરત તા. ૪ : આજે સુરતની ૧૪ વર્ષની એક સુરતથી હોમ કોર્સીયર સ્ત્રીને મુરબામાં એક પેન્ટા ડેડ સુરતમાં સવખાતપૂર્વક ઉપાર્યો ગયો. પેન્ટાઈલ હૃદય દરમિયાન સુરતમાં આવ્યું છે. મોહનગામ આવ્યું છે. જ્યાં

ઉપરોક્ત તબીબોએ માન્ય ગણાવીને મીનીસોટામાં સરખાતપૂર્વક હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યું હતું.

૧૫૫ મિનિટમાં સુરતથી ચેન્નાઈ પહોંચાડાયું ધબકવું હૃદય

૧૫૫ મિનિટમાં સુરતથી ચેન્નાઈ પહોંચાડાયું ધબકવું હૃદય

૧૫૫ મિનિટમાં સુરતથી ચેન્નાઈ પહોંચાડાયું ધબકવું હૃદય

કરવા હતાં. જ્યાં કે વિવેક દેસાઈની સહયોગ હેઠળ તેમનું મીટી સેન ક્લોઝુ પ્રત્યુ મીનીસોટામાં

૧૫૫ મિનિટમાં સુરતથી ચેન્નાઈ પહોંચાડાયું ધબકવું હૃદય

૧૫૫ મિનિટમાં સુરતથી ચેન્નાઈ પહોંચાડાયું ધબકવું હૃદય

૧૫૫ મિનિટમાં સુરતથી ચેન્નાઈ પહોંચાડાયું ધબકવું હૃદય

યુવાનનું હૃદય

વિદ્યાન થયું હતું. અહિંસા સુરોચીન યે સ્વમુખ સોજા, અને સુરોચીસિયા ડી. સોજા પરત પરિભ્રમણાઈને મેઈનગાં જાહેર કર્યા હતાં. અગાધાન ક્ષતિની જાણી સંભાળમાં એન્ટે જાઈક સંસ્કારો સંપર્ક કરતાં પ્રયુન નિવેશનમાં પાડોશમાં અને તેની ટીપ પકિતિય જાલદાને પરિવાર જોઈ વાર્તાવાપ સ્ત્રીને અગાધાન કરવા માટે સમજાયું હતું. પરિવાર ભગતમાં પત્ની અને તેમનાં પાતા-પેદાશ અગાધાન માટેની મજૂરી આપતા નિવેશનમાં અને તેની ટીપ હાર્ટ એન્ટે કરવાનો પકિતિ. આગળ પગારી હતી. એ પાંડીટીનું હાર્ટનું હાર્ટને હાર્ટની જરૂરીયાત છે તે પ્રકારનું હાર્ટ મુજબી, પુનઃ અને કિટીમાં કયાપ ન ગણતા કિટીની નાંડોની ટીપે. હાલમાં કોમ્પિટરનો સપર્ક કરીને હાર્ટના હાર્ટની જરૂરીયાત વાંધી સહાય એનાઈ જેમત પુલેટીની એક પાલકને હાર્ટનો જરૂર સંભાળ પ્રકારમાં આવ્યું હતું.

૧૮ કલાકની જહેમત માટે પુલેટીની માથડોને હાર્ટ એન્ટે કરવાની પ્રક્રિયા ૫૨ પાંચ કલાકમાં

આવી હતી. સરિતો વ કલાકે પેન્ટાઈલ, હવાઈ માને ડોક્ટરોની ટીપ સુરત એરપોર્ટ પર આવી પહોંચી હતી. એરપોર્ટ ઓથોરિટીએ સુરતમાં હાર્ટ કોર્સીની મંજૂરી આપી અગાધાનની પ્રવૃત્તિને પ્રત્યાગન આપ્યું હતું.

પરિભ્રમણાનું કાનમાં મેંચવામાં આવેલું હૃદય પુલેટીની પાટીયા અભુજા ઓપેરેશનમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. ડી. કે. આર. પાપાકિથ અને તેમની ટીપ પેન્ટાઈલની કોર્સી ક વિચાર આને ટ્રાન્સપ્લાન્ટને પ્રક્રિયા કરી હતી. કાનમાં મેંચવામાં આવેલી પત્ની કીર્તીનું અગાધાન પત્ની સરખાતપૂર્વક ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે.

કોર્સી જાઈક સંસ્કારો અભ્યાર સુધી ૧૮૨ કીલોની ૬૦ વીયર, ૮ પેન્ડીબાલ, ૯ હાલ અને ૧૧૯ મજુમોન, કાન તેમનીને ફાટ ૧૨૭ યકિતિયને નવજીવન મલયામાં સંસ્કાર મેંચવી છે. મુજબ કોમ્પિટરથી એરપોર્ટ સુધીનો હોમ કોર્સીયર સંભાળમાં મુજબ હાર્ટ પાટીને મલયાંચ સંભાળ કર્યાં.